Сат. Вв. 3, 8, 4, 15. fem. आ 8, 28: पृथिन्युवाच् मैतर्रिष्ठमकुं व एतस्पाध्यता भविष्यामि. — b) Außeher, Leiter AK. 3, 4, 140. 227. 2, 8, 4, 6. Н. 722. ап. 3, 729. Мвр. sh. 29. धर्मणाम् ए. 8, 43, 24. यत्तस्यं 10, 88, 13. भूतस्यं AV. 1, 30, 1. यो अस्याध्यंतः पर्मे न्यामन् ए. 10, 129, 7. 128, 1. VS. 4, 19. AV. 9, 2, 7. आहित्यम्यः — उर्रास्तिरतस्याध्यत्तभ्यः Çат. Вв. 4, 3, 5, 20. Каты. Са. 10, 4, 13. М. 7, 81. Јаба. 1, 321. मयाध्यत्तेण प्रकृतिः सूयते Внас. 9, 10. Sehr häufig am Ende eines comp.: कर्माध्यत्त Сувтасу. Up. 6, 11. यामण्ताः М. 7, 119. अञ्चाः N. 15, 6. गाञ्चाः АК. 3, 4, 94. तर्ध्यतः (über die Küche) 2, 9, 27. वताः М. 7, 189. Accent eines solchen comp. P. 6, 2, 67. Уд. कत्नाध्यत्त, गवाः, हाराः, धनाः, धर्माः, ह्रप्याः, प्रत्काः, ह्रयः, कृर्ः u. s. w. — b) N. einer Pflanze, Mimusops Kauki (तीरिका), Саврая. im СКДа.; уд. फलाध्यत्त.

अध्यत्रम् (1. श्रधि + श्रत्तर्) adv. in Bezug auf die Silben Manp. Up. 8. श्रध्यप्ति (1. श्रधि + श्रप्ति) adv. über dem Feuer (bei der Trauung): विवाक्ताले पत्न्त्रीभ्या दीयते क्षिम्रामिनिधा । तद्ध्यप्ति कृतं सिद्धः स्त्रीध्यं पिक्तिर्तितम् ॥ Кат. in Das. 119, 8—10. श्रध्यप्त्यध्यावाक् निकं दत्तं (auch mit श्रध्यप्ति zu verbinden) च प्रीतिकर्मणि । श्रात्मात्प्राप्तं षड्धिं स्त्रीधनं स्मृतम् ॥ М. 9, 194. श्रध्यप्त्युपागतम् अद्धं 2, 143. Vishņu in Das. 116,5. Nārada ebend. 118,1.

मैंध्यञ् (1. म्रधि 🕂 मञ्च) adj. nom. म्रध्यङ् P. 6,2,53.

श्रध्याएँडा (von 1. শ্रधि → শ্राएउ) f. Name einer Pflanze; a) Carpopogon pruriens AK. 2, 4, 8, 5; vgl. শ্ররস্ত্রী und শ্রত্যাएँडा. — 2) Flacourtia cataphracta (মুন্যান্ত্রনা) Ratnam. im ÇKDR. — Vgl. শ্रহ্যাएँडा.

श्रध्यधितेष (von तिष् mit श्रधि + श्रधि) m. ungebührlicher Tadel, mit dem gen. des Objects: गुत्रणामध्यधितेष: ग्रेंट्रंग. ३,२२८.

ষ্ঠান (1. ষ্বাটা + ষ্বাটান) adj. vollkommen abhängig, ein Sclave M.8, 66. 163. 167.

श्रध्यपन (von रू mit श्रधि) n.das Lesen, Studium P.2,4,5. 4,4,63. 5,1,58. वेदानध्यपनेन M.3,63. वेदाध्य R.1,50,3. Hit. I, 15. व्याकरणाध्य P.1,3,38,Sch. insbes. das Studium der heiligen Schriften H. 821 (als das dem Brahman darzubringende Opfer). त्रया धर्मस्कन्धा यश्चा उध्यपनं दानमिति फ्रिक्टें प्रमुख्य प्र

ऋध्ययनीय part. fut. pass. von इ mit ऋधि Vop.26,25.

र्श्वेध्यर्ध (1. स्रधि + स्रधी) adj. mit einer überschüssigen Hälfte, anderthalb: कत्येव देवा पात्तवल्केतियध्यर्ध इत्योमिति केवाच कत्येव देवा पात्तवल्केतियध्यर्ध इत्योमिति केवाच कत्येव देवा पात्तवल्केत्येक इत्योमिति केवाच Çat. Br. 14, 6, 9, 2. = Br. Ar. Up. 3, 9, 1. (vgl. die Erklärung in 10 (9.): स्रय कथमध्यर्ध इति पद्स्मिनिद् सर्वमध्यार्ध इति पद्स्मिनिद् सर्वमध्यार्ध इति। स्रक्ष्यर्ध पद् (Sch. प्रक्रमत्रयविक्ति) Kati. Ça. 8, 3, 14. एकाधिकं (d. i. zwei Theile) क्रेड्डियेष्ठः पुत्री उध्यर्ध ततो उनुतः । स्रंशमंशं पवीयांस इति धर्मा व्यवस्थितः ॥ M.9,117. स्रध्यर्धयोजनम् R.1,24,10 (Sch.:

paullo plus dimidio parasanga). म्रध्यध्यानने loc.3,18,17 (Gorn.: poco più d'un mezzo yogano). मध्यध्म — याननम् 2,98,30. म्रप्रशाधिकं मासमध्यध्मप् स्वाचित् 3,15,26 (Gorn.: oltre a quindeci dì). मध्यधाङ्गलदाङ्गलार्धन्तियाङ्गल े Suça.2,196,16. Am Anf. eines comp. P.5,1,28. Die Tibeter übersetzen, wie uns Schiefine mittheilt, मध्यर्ध durch युम्पूर्णे d. b. Eins und vom Zweiten die Hälfte.

मुँघ्यर्धक (von म्रध्यर्ध) adj. für 1½ gekauft u.s. w. P.1,1,23, Vårtt. 2. मध्यर्धकंस (मध्यर्ध + केंस) 1) m. anderthalb Kam̃sa's (ein Gewicht). — 2) adj. anderthalb Kam̃sa's messend u. s. w. P.5,1,28, Sch.

र्ऋंट्यर्धकाकिणीक adj. von म्रध्यर्ध + काकिणी P.5,1,33, Vårtt.2. मध्यर्धकार्षापण (म्रध्यर्ध + कार्षापण) subst. und adj. P.5,1,29.

मध्यर्धकाषीपणिक adj. vom subst. मध्यर्धकाषीपण P. 5,1,29.

श्रॅंध्यर्धवारीक adj. von श्रध्यर्ध + वारी P.5,1,33.

म्रध्यर्धपाप्यं adj. von म्रध्यर्ध + पण P.5,1,34. म्रध्यर्धपान्यं adj. von म्रध्यर्ध + पार P.5,1,34.

मध्यर्धप्रतिक adj. von मध्यर्ध + प्रति = कार्षापण P.5,1,29, Sch.

म्रध्यर्धमार्घ्यं adj. von म्रध्यर्ध → माष P.5,1,34.

म्रध्यधिवंशतिकान adj. von म्रध्यर्ध -- विंशतिक P.5,1,32.

मध्यर्धशत (मध्यर्ध + शत) 1) subst. anderthalb Hundert. — 2) adj. für 150 gekauft u. s. w. P. 5, 1, 35, Värtt. aus 150 (Çloka's) bestehend: संतेष МВн. 1, 102.

म्रध्यर्धशतमान (म्रध्यर्ध → शतमान) subst. und adj. P.5,1,29, Vårtt. मध्यर्धशत्यं adj. vom subst. मध्यर्धशत P.5,1,34.

म्रध्यर्धशाणा (म्रध्यर्ध + शाणा) subst. und adj. P. 5, 1, 35.

म्रध्यर्धशाएयं adj. vom subst. म्रध्यर्धशाएा P.5,1,35.

श्रद्ध्यर्धशातमान adj. vom subst. श्रद्ध्यर्धशतमान P.5,1,29, Vartt.

ऋध्यर्धमूर्प (ऋध्यर्ध → प्रूर्प) subst. adj. P.5,1,28,Sch. 1,1,23, Vårtt.2,Sch.

ऋध्यर्धसङ्ख (ऋध्यर्ध → सङ्ख) subst. und adj. P.5,1,29.

म्रध्यर्धसारुख adj. vom subst. म्रध्यर्धसरुख P.5,1,29.

म्रध्यर्धमुवर्षा (स्रध्यर्ध + मुवर्षा) subst. und adj. P. 5,1,29, Vartt. मध्यर्धसीवर्णिक adj. vom subst. मध्यर्धमुवर्षा P. 5,1,29, Vartt.

मध्यर्त्रुद् oder मध्यर्तुद् (1. मधि + मर्त्रुद्, मर्त्रुद् ) n. Uebergeschwulst, Uebergewächs: यज्जायते उन्यत्वलु पूर्वजाते ज्ञेषं तद्ध्यर्त्रुद्मर्त्रुद् ज्ञै: Suça. 1, 288, 10.

अध्यवसाय (von सा, स्यति mit अधि + अव) m. = उत्साक् AK. 1,1, र,29. = जर्ज H. 300. = कर्मसु प्रत्ययः NAJANÁNANDA, = कर्मसु सुकरः प्रत्ययः MADBU, = कर्मसु सुकरः प्रत्ययः MADBU, = कर्मसु सुकरः प्रत्ययः MADBU, = कर्मसु सृकरः प्रत्ययः MADBU, = कर्मसु सृकरः प्रत्ययः MADBU, = कर्मसु सृकरः प्रत्यवः स्वाय्यः nach einigen Erklärern im ÇKDB. fester Wille, fester Entschluss, festes Bestreben: न स्वत्यमप्यध्यवसायभीराः कर्राति विद्यानविधिगुणं क् HIT. I, 163. PANKAT. III, 261. ऋध्यवसायो बुद्धः SAMKHJAK. 23. mit dem loc.: स्वप्रकृतिर्पि तत्रवाध्यवसायन क्रिसायराङ्मवीव भवति 60, 6. ऋष्वये प्रध्यवसायः समर्थना Vop. 25,23. संभावनं क्रियासु योग्यताध्यवसायः 17. im comp.: वाक्यार्थविचार्णाध्यवसायनिवृत्ता क् ब्रह्मावगतिः BRABMA-S. in WIND. Sancara 108. प्रतिविष्याध्यवसायो दृष्टम् SAMKHJAK. 5. संभावन मिस्तवाध्यवसायः P. 6,2,21,Sch.

স্বয়েবকুনন (1. স্বয়ি -- স্থবক্নন) adj. worauf Etwas losgehülst wird Çat. Br. 1,1,4,3.

ম্বথ্যান (1. ম্বিথি 🛨 ম্বহান) n. das Darüberessen; ein Essen von